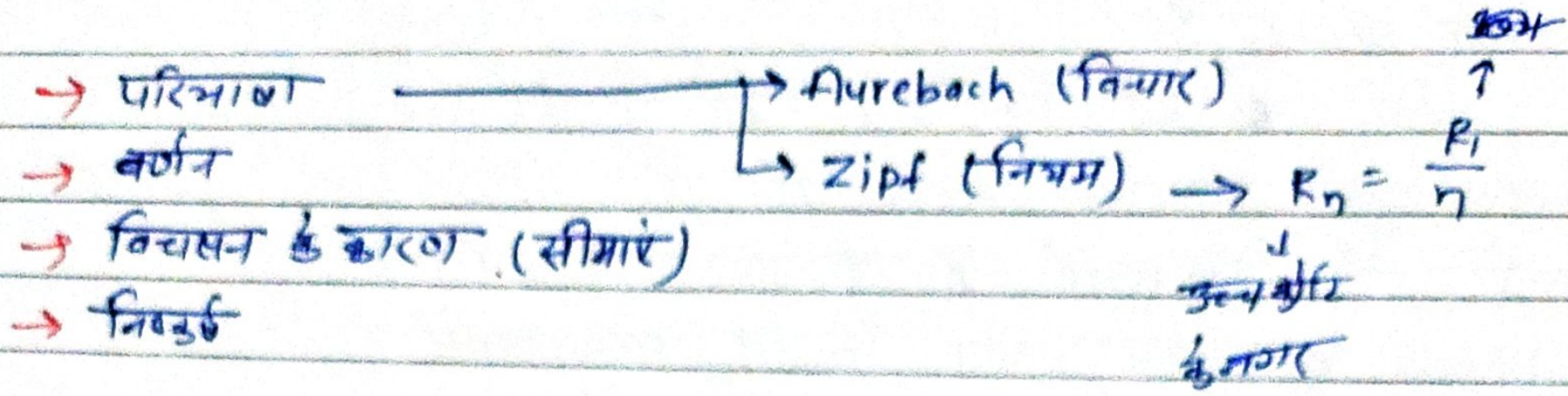
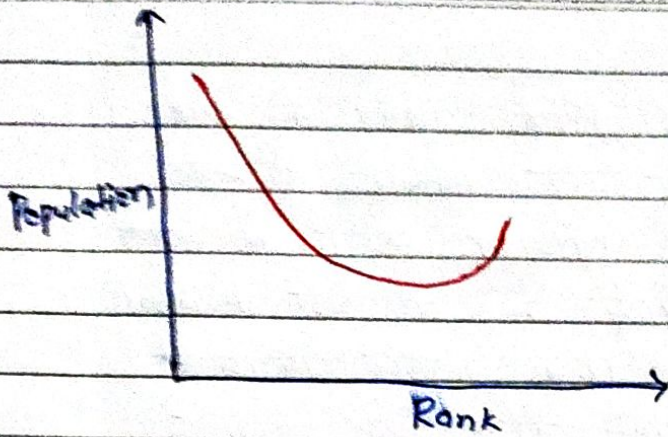


कोर्ट आकार नियम → मात्रात्मक क्रान्ति
(Rank sized Rule)

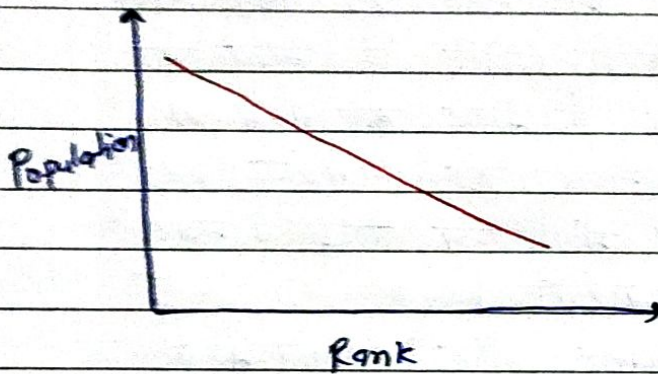


Zipf



$$R_n \propto \frac{P_1}{n}$$

by
Inj. Mittal



सर्वोच्च कोटि का शहर → प्रमुख शहर (जैफरसन)

Service Town

Population

Class I > 10L

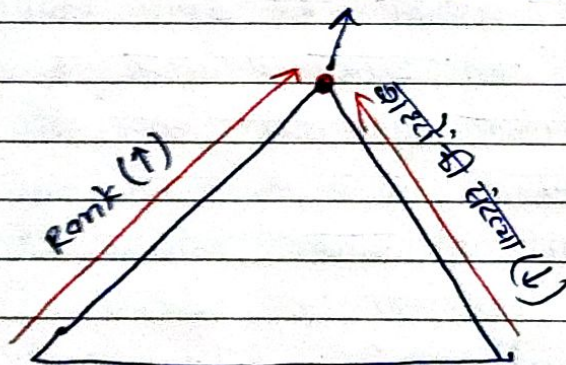
Class II 5-10L

Class III 1-5L

Class IV 50K-1L

Class V 5K-50K

±
±
±
±
±



Binary Deviation

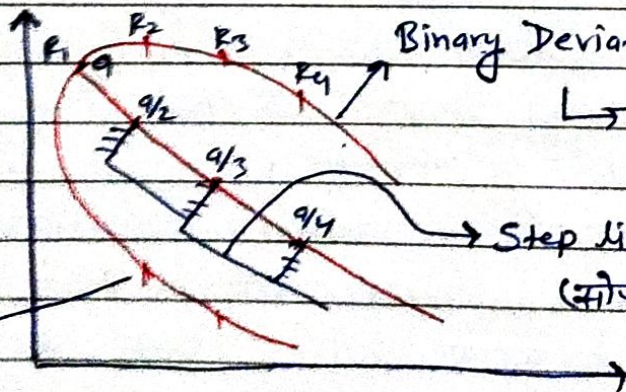
↳ विविधता

Step like deviation

(सोपानाकार वितरण)

Primary Deviation

↳ वृद्धि (Unification)



→ नगरीय बस्तियों के पदानुक्रमित संबंध को स्पष्ट करने से संबंधित दिए गए विचारों में नगरों की जन. के आन्धार पर विभिन्न कोटि के नगरों की पहचान करने के संदर्भ में सर्वप्रथम Aurebaek ने कोटि आकार नियम दिया। इस नियम को स्पष्ट करने का श्रेय Zipf को दिया जाता है। इसके अनुसार यदि नगरों को जनसंख्या के आकार के आन्धार अवरोही क्रम में व्यवस्था किया जाए तो ऐसी स्थिति में उच्च कोटि के नगर की जनसंख्या से इधरे कोटि के नगर की जनसंख्या आधी, तीसरे कोटि के नगर की जनसंख्या एक तिहाई और इसी क्रम में अन्य कोटि के नगरों की जनसंख्या में कमी आएगी।

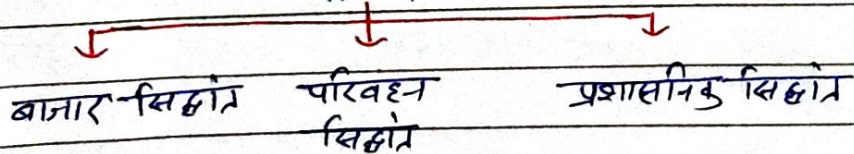
Zipf ने अंकगणितीय और लघुगणितीय विधि के द्वारा graph की सहायता से कोटि आकार नियम को स्पष्ट करने का प्रयास किया। इसके अनुसार यदि नगरों को उनकी जनसंख्या के आन्धार पर व्यवस्था किया जाए तो विभिन्न कोटि के नगरों के अपेक्षा उच्च कोटि के नगरों की संख्या में आनेवाली कमी के कारण विभिन्न कोटि के नगरों की क्रमिक व्यवस्था का स्वरूप पिरामिड नुमा होगा जिसमें पिरामिड के आन्धार से शीर्ष की ओर जाने पर नगरों की संख्या में आनेवाली कमी के कारण पिरामिड के शीर्ष पर सर्वोच्च कोटि का नगर होगा जिसे जैफरसन ने प्रमुख नगर का नाम दिया।

कोटि आकार नियम गणितीय या मात्रात्मक विधि पर आन्धारिक एक आदर्श परिकल्पना है क्योंकि विविधता के कारण आर्थिक क्रियाओं का

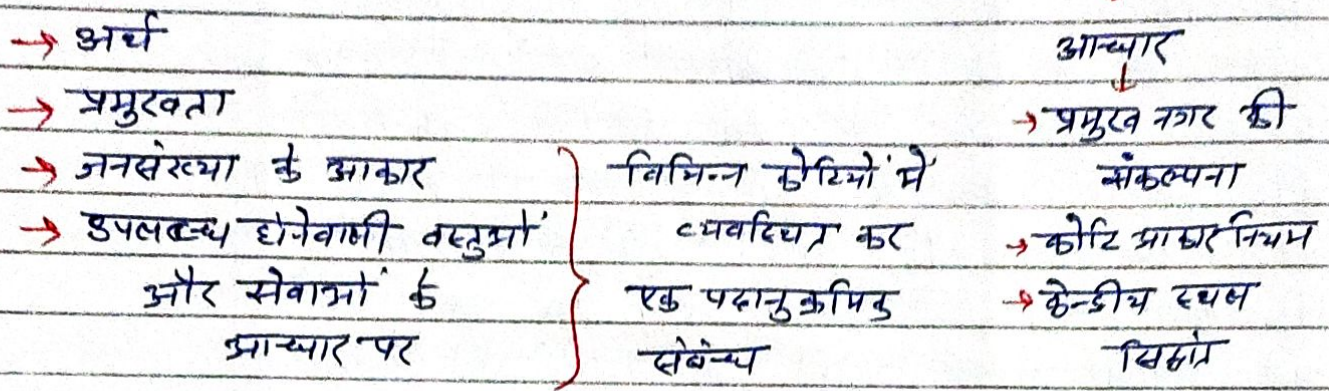
विकेन्द्रीकरण होने पर सर्वोच्च कोटि से द्वितीय कोटि के नगर की जनसंख्या आर्ध्व से अधिक होगी। अर्थात् एक ही कोटि के नगरों की संख्या एक से अधिक भी हो सकती है। जहां एकलपता की प्रवृत्ति होगी वहां आर्थिक क्रियाओं का केन्द्रीकरण होने पर अन्य नगरों की प्रपेक्षा उच्च कोटि के नगरों की जनसंख्या में वृद्धि होने के कारण सर्वोच्च कोटि के दूसरे कोटि के नगर की जनसंख्या आर्ध्व से कम हो जाएगी। इस प्रकार कोटि आकार नियम में विचलन के कारण नगरों की जनसंख्या के आकार के आधार पर विभिन्न कोटि के नगरों की पहचान व्यवहारिक स्तर पर एक कठिन कार्य है लेकिन नगरों की जनसंख्या के आकार के आधार पर कोटि आकार नियम में होनेवाले विचलन के द्वारा उद्देश्यवत् विषमता के सूचकांक के स्तर को निर्धारित कर विभिन्न नगरों के मुख्य कार्यात्मक संबंधों को स्थापित कर नगरों की जनसंख्या का नियोजन किया जा सकता है।

केन्द्रीय स्थल सिद्धांत

नगरीय बस्तियों के पदानुक्रमिक संबंध



नगरीय बस्तियों का पदानुक्रमिक संबंध



सीमाएं

उपभोगिता

नगरों का प्रकारात्मक वर्गीकरण

↳ प्रादेशिक विद्यमान का निर्धारण

↳ नगर का निर्भोन्नत विकास

→ नगरों का प्रकारात्मक वर्गीकरण

1st Paper

P-2

विलक्षण

World map

India Map

India

विश्व के औद्योगिक प्रदेश

भारत के औद्योगिक प्रदेश

बंदरगाह शहर

परिवहन केन्द्र

खनिज केन्द्र

रेलमार्ग का मुद्रासंच

ग्रामीण अर्थिकता से संबंधित पर्यावरणीय मुद्दे



अवस्थिति

आन्ध्र प्रदेश संरचना

मुख्य धक्का



के स्तर पर

↓
कृषि

→ पर्वतीय क्षेत्र

सुविधाओं का



• भूकंप

अभाव होने के

दोषपूर्ण कृषि

• भूस्खलन

कारण



→ नदी बेसिन के समीप



रासायनिक उर्वरक,



जल प्रदूषण

कीटनाशकों का

बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र

औसत से अधिक

→ महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

प्राप्त में उपयोग

• सूखा प्रभावित क्षेत्र



पर्यावरणीय समस्याएं

→ महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों

• महत्त्वपूर्णकरण

→ तटीय क्षेत्र

• चक्रवात

• सुनामी